# 30 / 01 / 80 की अव्यक्त वाणी

## पर आधारित योग अनुभूति

### स्नेह, सहयोग और शक्ति स्वरूप की अनुभूति

➢➢ स्नेह और याद के संकल्प सहित मैं स्वयं को बापदादा की श्रेष्ठ बच्चे के रूप देख रही हूँ। दूर होते हुए भी स्नेह के आधार से बाप के अति समीप हूँ।

➳ _ ➳ स्नेह, सहयोग और शक्ति स्वरूप की श्रेष्ठ मूर्त रूप में देख रही हूँ।

→ बापदादा से अटूट स्नेह की अनुभूति

→ सर्व सम्बन्धो से प्रीति की रीति निभाने वाली बाप की स्नेही

→ स्नेह का प्रत्यक्ष रिटर्न देने वाली बाप की स्नेही श्रेष्ठ बच्ची की अनुभूति

- निष्काम सहयोगी
- मनसा-वाचा-कर्मणा, सम्बन्ध और सम्पर्क सभी मे सदा के सहयोगी।
- सच्चे योग्य सहयोगी बनाने वाली।

➳ _ ➳ शक्ति स्वरूप

→ मास्टर सर्वशक्तिवान

→ समय पर शक्तियों को यूज़ करने वाली

- स्व की शक्तियों की प्राप्ति द्वारा औरो को मास्टर सर्वशक्तिवान बनाने वाली विशेष आत्मा की अनुभूति कर रही हूँ।

---

➢➢ दिल की अविनाशी वैराग्य द्वारा अपनी बीती हुई बातो को, संस्कार रूपी बीज को जलाने वाली

➳ _ ➳ ईश्वरीय नियमों और मर्यादाओं का सदा पालन करती हुई

→ निरन्तर महादानी

→ पुण्य आत्मा

→ ब्राह्मणों को सदा सहयोग देने वाली

→ सदा सर्वशक्तिवान बाप के संग के रंग में रहने वाली

- डबल लाइट
- महादानी, महापुण्य आत्मा
- सदा राजयुक्त, योगयुक्त
- युक्तियुक्त कर्म करने वाली

➳ _ ➳ श्रेष्ठ पुरुषार्थ द्वारा उड़ता पंछी बनती जा रही हूँ।

→ शांत स्वरूप आत्मा

- प्रेम स्वरूप आत्मा

---

➢➢ सर्व भटकती हुई आत्माओ शांति और रूहानी स्नेह की अनुभूति कराने वाली

➳ _ ➳ संगम पर नॉलेज रूपी चाभी से भाग्य का खजाना प्राप्त करने वाली

→ अखुट और अविनाशी खुशी की प्राप्ति

- सदा अपने भाग्य का सितारा देख हर्षित हो रही हूँ।

---